जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 17 जुलाई 2019

जामिया के अध्यापक लंदन की रॉयल सोसायटी आॅफ बाइआलजी के फैलो चुने गए

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सेंटर फार इंटरडिसप्लनेरी रिसर्च इन बेसिक सांइस में एसिस्टेंट प्रोफेसर, डा. मुहम्मद इम्तियाज़ हसन, ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी आॅफ बाइआलजी:एफआरएसबीः, लंदन के लिए चुने गए हैं। बाइआलजी साइंस के विकास में जिन लोगों का खास योगदान होता है, उन्हें सम्मान देने के लिए, रॉयल सोसाइटी आॅफ बाइआलजी अपने फैलो के तौर पर चुनती है। इसके लिए, चुने गए सदस्य को एफआरएसबी की फैलोशिप दी जाती है।

कैंसर और न्यूरोडिजनरेटिव जैसे बीमारियों के थेरप्यूटिक मैनेजमेंट इस्तेमाल में, हाई अफिनिटी सेलक्टिव काइनेस इन्हिबीटर की इजाद के लिए, डा हसन को एफआरएसबी ने इस सम्मान से नवाज़ा है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान:एम्सः से, 2007 में पीएच. डी. डिग्री हासिल करने के बाद, गोल्ड मैडलिस्ट, डा॰ हसन ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया ज्वाइन करके अपने रिसर्च कार्य को आगे बढ़ाया। उन्होंने इंसानों में पाए जाने वाले असमान्य एंज़ाइम, काइनेस पर क़ाबू पाने के लिए अपने रिसर्च कार्य को केन्द्रित किया। उनके अनुसंधान कार्यों को, देश विदेश की 220 से ज़्यादा रिसर्च पत्रिकाओं में छापा गया। इसके अलावा, उनके अनुसंधान कार्यों का 3500 से ज़्यादा जगह हवाला दिया गया।

काइनेस पर क़ाबू पाने के लिए इजाद की गई दवाओं में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए, हाल ही में उन्हें फैलो आॅफ रॉयल सोसाइटी आॅफ केमस्ट्री के लिए चुना गया। इससे भी अहम बात यह है कि वह, उन गिने चुने भारतीय वैज्ञानिकों में हैं, जिन्हें, बहुत कम उम्र में रॉयल सोसायटी आॅफ केमस्ट्री और रॉयल सोसायटी आॅफ बाइआलजी के लिए चुन कर, उनके रिसर्च वर्क को मान्यता दी गई।

फैलो आॅॅफ इंडो-यूएस साइंस एंड टेक्नालजी फोरम सहित डा. हसन को मिले अवार्ड और सम्मान की एक लंबी लिस्ट है। वह कई साइंस पत्रिकाओं के एडिटर हैं और उन्होंने कई सिंपोज़ियम आयोजित किए। वह कई साइंटिफिक कमेटियों के सदस्य भी हैं। देश और विदेशों में आयोजित सैंकड़ों प्रतिष्ठित गोष्ठियों में उन्हें, अपने अनुसंधान पत्र को पेश करने के लिए बुलाया गया।

डा. हसन ने कहा, "राॅयल सोसायटी आॅफ केमस्ट्री और राॅयल सोसाइटी आॅफ बाइआलजी में, बतौर फैलो शामिल किए जाने के लिए, मैं खुश और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह फैलोशिप बहुत बड़ा सम्मान है, और अंततः, मेरी कड़ी मेहनत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली। मैं अपने सहयोगियों और परिवार के सदस्यों के प्रति तहे दिल से शुक्रगुज़ार हूं, जिन्होंने मेरा उत्साह बढ़ा कर मेरी मदद की.... और बिलाशुब्हा, जामिया मिल्लिया इस्लामिया मुझे बेहतरीन ढांचागत सुविधाएं मुहैया करा रहा है।"

जामिया बिरादरी और डा हसन के साथ लैब में अनुसंधान कार्य कर रहे उनके छात्र, उन्हें मिले इस सम्मान से बहुत ही ज़्यादा खुश हैं।

जामिया के सेंटर फाॅर इंटरडिसप्लनेरी रिसर्च इन बेसिक साइंसेज के पूर्व निदेशक, प्रोफेसर फैज़ान अहमद ने कहा, " डा हसन को एफआरएससी और एफआरएसबी के लिए चुने जाने पर मैं बहुत ज़्यादा खुश हूं। यह सम्मान, सिर्फ उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने केमस्ट्री और बाइआलजी के क्षेत्र में बहुत ही नुमाया काम किया है। मैं डा हसन को मिले इस बड़े सम्मान के लिए उन्हें तहे दिल से मुबारकबाद देता हूं। "

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक